डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, द थियोलॉजी ऑफ ल्यूक-एक्ट्स, सत्र 13, जॉनसन, गाइडलाइंस फॉर रीडिंग एक्ट्स, स्ट्रक्चरल साइनपोस्ट्स।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन और लूका-प्रेरितों के धर्मशास्त्र पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 13 है, डेनिस जॉनसन, प्रेरितों के काम पढ़ने के लिए दिशा-निर्देश, संरचनात्मक संकेत।

आइए हम साथ मिलकर प्रार्थना करें। दयालु पिता, हम आपके सभी वचनों के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। हम लूका-प्रेरितों के काम के लिए आपका धन्यवाद करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि आप हमें संदेश को समझने में मदद करें, विशेष रूप से प्रेरितों के काम के बारे में, और आपके उपदेशों का पालन करने, आपके व्यक्तित्व पर भरोसा करने और हमारे जीवन में काम करने में। हम खुद को और अपने परिवारों को आपकी देखभाल में सौंपते हैं और मध्यस्थ यीशु मसीह के माध्यम से प्रार्थना करते हैं। आमीन।

हम डेनिस जॉनसन की पुस्तक, द मैसेज ऑफ एक्ट्स का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें हम प्रेरितों के काम को पढ़ना सीख रहे हैं। हमें इसे लूका के उद्देश्य के प्रकाश में पढ़ना चाहिए, वह हमें बताता है, नए नियम के पत्रों के प्रकाश में, पुराने नियम के प्रकाश में, और अब लूका के पहले खंड के प्रकाश में।

प्रेरितों के काम 1:1 से 3 की संक्षिप्त प्रस्तावना, लूका के दो खंडों को एक साथ लाती है। बेशक, हमें इसे पढ़ना होगा। हे थिओफिलस, मैंने पहली पुस्तक में उन सभी बातों का वर्णन किया है जो यीशु ने करना और सिखाना शुरू किया, उस दिन तक जब वह पवित्र आत्मा के द्वारा अपने चुने हुए प्रेरितों को आज्ञाएँ देने के बाद स्वर्ग में उठा लिया गया।

उसने अपने दुखों के बाद कई प्रमाणों के द्वारा खुद को उनके सामने जीवित प्रस्तुत किया, चालीस दिनों तक उनके सामने प्रकट हुआ और परमेश्वर के राज्य के बारे में बात की। और उनके साथ रहते हुए, उसने उन्हें यरूशलेम से दूर न जाने का आदेश दिया, बल्कि पिता के वादे की प्रतीक्षा करने के लिए कहा, जिसके बारे में उसने कहा, तुमने मुझसे सुना, क्योंकि यूहन्ना ने पानी से बपतिस्मा दिया, लेकिन अब से कुछ ही दिनों में तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिया जाएगा। प्रेरितों के काम की संक्षिप्त प्रस्तावना ल्यूक के दो खंडों को एक साथ लाती है, तीसरे सुसमाचार की सामग्री को सारांशित करती है, यहां तक कि यह हमारी दृष्टि को आने वाले समय की ओर मोड़ती है।

इसी प्रकार, सुसमाचार का समापन यीशु द्वारा धर्मशास्त्रों की भविष्यवाणीपूर्ण व्याख्या के साथ होता है, यह एक ऐसा कथन है जो प्रेरितों के काम, लूका 24 में घटित होने वाले नाटक का पूर्वानुमान करता है। लूका 24, प्रेरितों के काम 1 से बहुत ही अद्भुत तरीके से जुड़ता है।

लूका 24:46 से 49. 44 से शुरू करते हुए, यीशु ने उनसे कहा, ये वे शब्द हैं जो मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए तुमसे कहे थे, कि मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों में मेरे बारे में जो

कुछ लिखा है, वह सब पूरा होना चाहिए। तब उसने पवित्रशास्त्र को समझने के लिए उनके मन खोले और उनसे कहा। इस प्रकार लिखा है, कि मसीह को दुख उठाना चाहिए और तीसरे दिन मरे हुओं में से जी उठना चाहिए और उसके नाम से पश्चाताप और पापों की क्षमा की घोषणा यरूशलेम से शुरू करके सभी राष्ट्रों में की जानी चाहिए।

तुम इन बातों के गवाह हो, और देखो, मैं अपने पिता का वचन भेजता हूं। वही शब्द जो हम प्रेरितों 1:1 से 3 में देखते हैं। मैं अपने पिता का वादा तुम पर लागू कर रहा हूं लेकिन जब तक तुम ऊपर से शक्ति प्राप्त नहीं कर लेते तब तक शहर में ही रहो। ल्यूक के सुसमाचार और अधिनियमों के बीच समानताएं प्रचुर मात्रा में हैं।

सुसमाचार में, यीशु को अच्छी खबर घोषित करने के लिए बपतिस्मा में अभिषेक करने पर आत्मा प्राप्त होती है। अधिनियमों में, चर्च महिमामय यीशु से आत्मा प्राप्त करता है और भगवान के चमत्कारों की घोषणा करता है। अधिनियम 2. सुसमाचार में, यीशु यशायाह के सेवक गीतों का सेवक है।

अधिनियमों में, चर्च यशायाह द्वारा देखा गया सेवक गवाह है, लेकिन यीशु भी ऐसा ही है। अधिनियम 3:13. ये सच है। बेशक, यीशु सेवक है, लेकिन चर्च भी सेवक है।

अब्राहम का परमेश्वर 3:13. पतरस बोलता है। अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, याकूब का परमेश्वर, हमारे पूर्वजों का परमेश्वर, अपने सेवक यीशु की महिमा करता है, जिसे तुमने सौंप दिया और पिलातुस के सामने जब उसने उसे छोड़ने का फैसला किया, तो तुमने उसे अस्वीकार कर दिया। पतरस कठोर खेल खेलता है, यार।

सुसमाचार में, यीशु को बार-बार प्रभु के रूप में संदर्भित किया जाता है। प्रेरितों के काम में, प्रभु के रूप में उनकी महिमा और अधिकार मृतकों में से उनके पुनरुत्थान द्वारा प्रदर्शित होते हैं। वचन की केंद्रीयता, अन्यजातियों का स्वागत, उद्धार का आगमन, और कई अन्य विषय प्रेरितों के काम को लूका के सुसमाचार से निकटता से जोड़ते हैं, जिससे हमें दोनों खंडों को समझने के लिए एक साथ जांच करने की आवश्यकता होती है।

जैसा कि हमने इन व्याख्यानों की शुरुआत में कहा था, हमें लूका और प्रेरितों के काम को अलग-अलग पढ़ना है, और फिर हमें उन्हें लूका-प्रेरितों के काम के रूप में एक साथ पढ़ना है। हमें ये दोनों काम करने की ज़रूरत है। हमें प्रेरितों के काम को उसकी संरचना के प्रकाश में भी पढ़ना है।

ल्यूक ग्रीक अच्छा लिखता है। वह लिखित शब्दों के प्रति सहज हैं और भाषा के प्रयोग में उनका कौशल स्पष्ट है। उसके संदेश को, उसके माध्यम से ईश्वर के संदेश को प्राप्त करने के लिए, हमें उस पर ध्यान देना चाहिए जिस तरह से शिल्पकार ने अपनी पुस्तकों को एक साथ रखा है।

क्या अधिनियमों में हमें मिलने वाली घटनाओं के प्रवाह के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन करने के लिए व्यापक विषय हैं? क्या कोई रूपरेखा, कोई संरचना है जो हमें यह देखने में मदद करेगी कि एक खंड दूसरे खंड की ओर कैसे जाता है? हमें चार संरचनात्मक संकेतों पर ध्यान देना चाहिए

जिनके द्वारा ल्यूक खाते के माध्यम से हमारा रास्ता बताता है। अधिनियमों की कथा में संरचनात्मक संकेत। मैं केवल सारांश पढ़ना चाहूँगा, और उनकी रूपरेखा पढ़ना चाहूँगा।

नंबर एक, अधिनियम 1:8 और 9:15 को एक साथ रखना। नंबर दो, सारांश विवरण अधिनियमों की पुस्तक में बिखरे हुए हैं। तीन दोहराए गए वृत्तांत हैं: पिन्तेकुस्त पर आत्मा, कुरनेलियुस का परिवर्तन, और, निस्संदेह, शाऊल का परिवर्तन।

उनमें से हर एक को दोहराया जाता है. कम से कम दो खाते होते हैं, कभी-कभी तीन भी। और चौथा, प्रेरितों के काम की पुस्तक में उपदेश की प्रमुखता।

ये कथा के भीतर संरचनाएं हैं जो साइनपोस्ट के रूप में काम करती हैं। वे हमें अपना रास्ता महसूस करने में सक्षम बनाते हैं। हमने इस संरचना को इसमें रखा, और इसे, और इसे, और अब हम संपूर्ण को बेहतर ढंग से देखते हैं और भागों का आपस में क्या संबंध है।

नंबर एक, अधिनियम 1:8 और 9:15। यह अक्सर देखा गया है कि अधिनियम 1:8, जिसमें यीशु की आत्मा का वादा और उसके गवाहों के रूप में प्रेरित की भूमिका शामिल है, सुसमाचार की उद्घोषणा के चरणों का पूर्वावलोकन प्रदान करता है। प्रेरितों के काम 1.8, परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे, और यरूशलेम में, सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। अर्थात्, यरूशलेम, यहूदिया और सामरिया संयुक्त, और पृथ्वी के छोर तक।

जॉनसन इसे इस तरह से करते हैं। हम यरूशलेम में फैले सुसमाचार को देखते हैं, अध्याय 1 से 7, यहूदिया और सामरिया से, अध्याय 8 से 12, पृथ्वी के अंतिम भाग तक, अध्याय 13 से 28 तक। एक बार फिर, प्रेरितों के काम 1:8 इस एजेंडे को निर्धारित करता है, और प्रेरितों के काम की पुस्तक का बाकी हिस्सा इसी पैटर्न का अनुसरण करता है।

यरूशलेम में यीशु के गवाह होने चाहिए, अध्याय 1 से 7, यहूदिया और सामरिया में, अध्याय 8 से 12, पृथ्वी के छोर तक, अध्याय 13 से 28। बेशक, इसमें भौगोलिक विस्तार शामिल है, लेकिन यहाँ मीलों से ज़्यादा कुछ चल रहा है। चीज़ें यरूशलेम से शुरू होती हैं, उद्धरण, महान राजा का शहर, भजन 48.2, पवित्र स्थान, मंदिर, जीवित परमेश्वर की इज़राइल की पूजा का केंद्र।

प्रेरितों के काम के अंत तक, प्रभु के वचन का वाहक पौलुस, रोम पहुँच चुका है, कैसरों का शहर, जो गैर-यहूदी विश्व शक्ति का केंद्र है। वचन ने न केवल स्थानिक दूरी को पार किया है, बल्कि धार्मिक, जातीय और सांस्कृतिक दूरी को भी पार किया है। इस उद्धार का वचन, प्रेरितों के काम 13:26, पिसिदिया के अन्ताकिया में, पौलुस कहता है, हे भाइयो, अब्राहम के वंश की सन्तान, और तुम में से जो परमेश्वर से डरते हो, इस उद्धार का संदेश हमारे पास भेजा गया है।

इस उद्धार का वचन, प्रेरितों के काम 13:26, न केवल पवित्र भूमि के भीतर यहूदी लोगों के पास आया है, बल्कि पूरे रोमन साम्राज्य में फैले लोगों के पास भी आया है। इसके अलावा, न केवल पूर्वजों के वंशज यहूदियों के पास, बल्कि सामरियों, अन्यजातियों के धर्मांतरण करने वालों, अन्यजातियों के ईश्वर-भक्तों और यहाँ तक कि मूर्तिपूजा में लिप्त अन्यजातियों के पास भी आया

है।

मुझे उन समूहों के बारे में कुछ कहना है। उद्धार का वचन न केवल पवित्र भूमि के यहूदी लोगों के पास आया है, बल्कि पूरे रोमन साम्राज्य में फैले यहूदियों के पास भी आया है। इसके अलावा, न केवल पूर्वजों के वंशज यहूदियों के पास, जिनका उल्लेख प्रेरितों के काम 13:26 में किया गया है, अवधारणा, यदि बहुत शब्द नहीं, बल्कि सामरियों के पास भी, जॉनसन कहते हैं, जिनकी धार्मिक और जातीय विरासत,

वे आंशिक यहूदी हैं. उनमें यहूदी रक्त और अन्य प्रकार का रक्त एक साथ मिला हुआ है। सामरी लोगों की धार्मिक और जातीय विरासत, हालांकि यहूदियों से संबंधित है, अंतर्जातीय विवाह और बुतपरस्त समन्वयवाद से कलंकित है।

यह बेबीलोनियों की गलती है। उन्होंने लोगों के स्थानांतरण का अभ्यास किया। यह गलत है।

यह अश्शूरियों की गलती है। उत्तरी साम्राज्य असीरियन। जब उन्होंने विजय प्राप्त की, जब 722 ईसा पूर्व में अश्शूरियों ने उत्तरी साम्राज्य पर विजय प्राप्त की, तो उन्होंने असीरिया के खिलाफ विद्रोह करने में सक्षम किसी भी व्यक्ति को बाहर कर दिया।

उन्होंने गरीबों और अन्य लोगों को, जिनसे उन्हें कोई ख़तरा नहीं था, वहीं छोड़ दिया और वे लोगों को ले आये। उन्होंने लोगों के स्थानांतरण का अभ्यास किया। वे विदेशियों को लाए। सोचा गया कि ये लोग वर्षों तक संवाद भी नहीं कर पाएंगे।

वे अश्शूर के शासन के खिलाफ इस तरह से विद्रोह नहीं करने जा रहे हैं। और इसलिए, उत्तरी राज्य तब और नहीं रहा, बल्कि अश्शूर का उपग्रह बन गया, और उन विदेशियों के उत्पाद जो गरीब यहूदियों के साथ आए थे, जो बचे हुए थे, सामरी लोगों को जन्म दिया, जिन्हें, उद्धरण, शुद्ध रक्त वाले यहूदियों द्वारा तिरस्कृत किया गया था, और जिन्हें यीशु ने अपने दृष्टांतों के नायक बनाया। यह दिखाने के लिए, विशेष रूप से ल्यूक में, जहाँ हमारे पास अच्छे सामरी का दृष्टांत है, कि अच्छी खबर सभी को जाती है।

प्रेरितों के काम से पता चलता है कि सुसमाचार केवल यहूदियों, सामरियों और गैर-यहूदियों के पास जाता है। यानी यहूदी एकेश्वरवाद और उसके नैतिक नियमों से आकर्षित होकर गैर-यहूदियों ने वास्तव में खतना करवाया और इस्राएल के प्रभु यहोवा के प्रति प्रतिबद्धता जताई और यहूदी बन गए। वे गैर-यहूदी धर्मांतरित लोग थे जो यहूदी बन गए।

गैर-यहूदी ईश्वर-भक्त वे लोग थे जो गैर-यहूदी बहुदेववाद और अनैतिकता के विरुद्ध एकेश्वरवाद और यहूदी नैतिकता की ओर आकर्षित हुए, लेकिन उन्होंने खतना नहीं करवाया और यहूदी नहीं बने। और यहाँ तक कि सुसमाचार मूर्तिपूजा में फंसे गैर-यहूदियों तक भी पहुँचा। अपनी रूपरेखा के लिए यीशु के वादे के वचन को लेते हुए, लूका ने ईश्वर की आत्मा की शक्तिशाली शक्ति पर प्रकाश डाला, जो प्राचीन पवित्र स्थान से ईश्वरीय जीवन शक्ति, पवित्रता और अनुग्रह को प्रेरित करती है ताकि राष्ट्रों को प्रभु और उसके मसीह के छुटकारे के शासन के अधीन लाया जा सके।

प्रेरितों के काम 9:15 में, यीशु का एक और कथन प्रेरितों के काम 1:8 के वादे को पूरा करता है। शाऊल से, जो पौलुस बनने वाला था, परमेश्वर कहता है, हनन्याह से, जो मौत से डर गया होगा, उसका काम शाऊल से बात करना था, जिसे प्रभु ने नम्र बनाया और अपने पास लाया, यीशु ने अपने पास लाया। प्रभु, मैंने इस आदमी के बारे में बहुतों से सुना है, कि उसने यरूशलेम में आपके संतों के साथ कितनी बुराई की है। और यहाँ उसे अधिकार है, प्रेरितों के काम 9:14, मुख्य याजकों से, कि वह उन सभी को बाँध दे जो आपका नाम पुकारते हैं।

लेकिन प्रभु ने उससे कहा, जाओ, क्योंकि वह मेरा चुना हुआ साधन है, ताकि वह अन्यजातियों और राजाओं और इस्राएल के बच्चों के सामने मेरा नाम ले जाए। तो जॉनसन जो कह रहे हैं, वह यह है कि ये प्रेरितों के काम की पुस्तक में सुसमाचार की प्रगति को इंगित करने वाले प्रमुख पाठ हैं। 9:15 में, यीशु का एक और कथन प्रेरितों के काम 1:8 के वादे को पूरा करता है , जो पुस्तक के तीसरे प्रमुख खंड की सामग्री को और अधिक विस्तार से सुझाता है, यानी पृथ्वी के छोर तक प्रेरितों की गवाही।

यह कथन तरसुस के शाऊल का वर्णन करता है, वह गवाह जिसका मिशन अध्याय 13 से 28 तक प्रमुख है। " परन्तु प्रभु ने हनन्याह से कहा, जा, यह मनुष्य मेरा चुना हुआ पात्र है, कि अन्यजातियों और राजाओं और इस्राएलियों के साम्हने मेरा नाम प्रगट करे।" प्रेरितों के काम 9:15. प्रेरितों के काम 1:8 की तरह, हम यहाँ गवाही के तीन क्षेत्र देखते हैं। एक, अन्यजाति; दो, राजा; और तीन, इस्राएली।

यह तीन गुना विवरण पॉल के उपदेश के लक्ष्यों को अच्छी तरह से बताता है। जैसा कि ल्यूक ने इसे दर्ज किया है, उसका प्राथमिक ध्यान अन्यजातियों पर है, अध्याय 13 से 20। राजाओं और शासकों के सामने उनके भाषण, अध्याय 24 से 26, और अपने ही लोगों, इस्राएल के पुत्रों के लिए उनकी गवाही, अध्याय 22 और 28।

एक और बार। तो डेनिस जॉनसन क्या कह रहा है, अधिनियम 1:8 पूरी किताब के लिए प्रोग्रामेटिक है, और अधिनियम 9.15 दूसरे भाग के लिए प्रोग्रामेटिक है, यदि आप चाहें, तो पॉल से संबंधित आधे भाग के लिए। यह अन्यजातियों के सामने उसकी गवाही को दर्शाता है, अध्याय 13 से 20, राजाओं के सामने, 24 से 26, और यहूदियों के सामने उसकी गवाही, विशेष रूप से अध्याय 22 और 28 में।

इस प्रकार, अधिनियमों में गवाही के पॉल के अंतिम शब्दों में इज़राइल के लिए एक फटकार शामिल है, जो गर्दन की कठोरता और हृदय और सुनने की कठोरता के खिलाफ स्टीफन की भविष्यवाणी की गवाही की याद दिलाती है। अध्याय 7.51 से 53. स्टीफन एक धर्मनिष्ठ उपयाजक है, और लड़का, वह हमें बताता है, वह एक कठिन संदेश भी देता है।

इससे उसकी पत्थर मारकर हत्या कर दी जाती है। प्रेरितों के काम 7:51, हे हठीले लोगों, तुम मन और कान के खतनारहित लोगों, तुम सदैव पवित्र आत्मा का साम्हना करते हो। जैसा कि तुम्हारे बड़ों ने किया, तुमने भी वैसा ही किया।

तुम्हारे बापदादों ने किस भविष्यद्वक्ता पर अत्याचार नहीं किया? और उन्होंने उन लोगों को मार डाला जिन्होंने पहिले से उस धर्मी के आने का समाचार दिया था, जिसे तू ने अब पकड़वाकर घात किया है, तू ने स्वर्गदूतों के द्वारा दी हुई व्यवस्था को मान लिया, और उसका पालन नहीं किया। वाह ! धूम्रपान गर्म उपदेश. तीखा उपदेश.

आदमी! वाह ! शुभ रात्रि। एक्ट्स में पॉल के साक्ष्य के अंतिम शब्द हमें स्टीफन के उन शब्दों की याद दिलाते हैं। 7:51 से 53 तक.

यह उम्मीद की अभिव्यक्ति के साथ संयुक्त है कि अन्यजातियों द्वारा सुसमाचार का स्वागत किया जाएगा। अधिनियम 28 पर वापस जाएँ। मुझे लगता है कि हमने ल्यूक 1:1 से 4 पर बहुत समय बिताया है। ल्यूक 24, अधिनियम 1, आइए इसे श्लोक 8 और फिर अधिनियम 28 तक ले जाएँ।

तो, यह इन चीजों की शुरुआत और अंत है जो सामग्री के ऑर्डर के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। 28:25 से 29. 23 और जब उन्होंने उसके लिथे एक दिन ठहराया, तब वे उसके पास आए, और उसके पास बहुत गिनती में आए।

हम बात कर रहे हैं यहूदियों की. सुबह से शाम तक वह उन्हें समझाता रहा, परमेश्वर के राज्य की गवाही देता रहा और उन्हें यीशु के बारे में मूसा की व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं दोनों से समझाने की कोशिश करता रहा। और जो कुछ उसने कहा उससे कुछ तो आश्वस्त थे, परन्तु अन्य अविश्वासी थे।

और आपस में असहमत होकर, पौलुस के एक बात कहने के बाद वे चले गए। "पवित्र आत्मा ने यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा तुम्हारे बापदादों से ठीक ही कहा, कि इन लोगों के पास जाकर कहो, तुम सुनोगे, परन्तु न समझोगे। और तुम सचमुच देखोगे, परन्तु कभी समझ न पाओगे। इस कारण लोगों का मन मंद हो गया है, और वे कानों से सुन नहीं पाते। और उन्होंने अपनी आंखें मूंद ली हैं, ऐसा न हो कि वे आंखों से देखें, और कानों से सुनें, और मन से समझें, और फिरें, और मैं उन्हें चंगा करूं। इसलिये तुम जान लो कि परमेश्वर का यह उद्धार अन्यजातियों के लिये भेजा गया है।"

वे सुनेंगे. वह अपने खर्च पर पूरे दो साल तक वहाँ रहा, और जो भी उसके पास आता था, उसका स्वागत करता था, परमेश्वर के राज्य की घोषणा करता था और प्रभु यीशु मसीह के बारे में पूरी निर्भीकता और बिना किसी बाधा के शिक्षा देता था। ये वास्तव में महत्वपूर्ण संकेत हैं, है ना? यीशु के ये दो वादे, अधिनियम 1:8, अधिनियम 9:15, हमारे लिए अधिनियम के 28 अध्यायों के लिए व्यापक रूपरेखा का पता लगाते हैं, जिसमें ल्यूक मुक्ति के शब्द के प्रसार का वर्णन करता है।

अध्याय 1 से 7 में, यरूशलेम, पतरस, स्तिफनुस और शाऊल स्तिफनुस की मृत्यु को स्वीकार करते हैं। 1 से 7, यरूशलेम, पतरस, स्तिफनुस और शाऊल स्तिफनुस की मृत्यु को स्वीकार करते हैं । 8 से 12, यहूदिया और सामरिया, शाऊल ने फैलाव शुरू किया।

सामरिया, इथियोपियाई, शाऊल और शाऊल के लिए फिलिप परिवर्तित. पीटर ने अन्यजातियों के मिशन की शुरुआत की। 1 से 7, यरूशलेम, 8 से 12, यहूदिया और सामरिया, 13 से 28, पृथ्वी का अंतिम भाग।

8 से 12, यहूदिया और सामरिया, शाऊल ने फैलाव शुरू किया। यह उसका उद्देश्य नहीं था, लेकिन यह परमेश्वर का उद्देश्य था। परमेश्वर ने प्रेरितों और गवाहों को यरूशलेम से बाहर निकालकर सुसमाचार फैलाने के लिए एक मुख्य उत्पीड़क का इस्तेमाल किया, और फिर उसने उसका धर्म परिवर्तन किया।

फिलिप्पुस ने सामरिया, इथियोपिया, शाऊल ने धर्म परिवर्तन किया। पतरस ने गैर-यहूदी मिशन की शुरुआत की। 1 से 7, यरूशलेम, 8 से 12, यहूदिया और सामरिया, 13 से 28, पृथ्वी का अंतिम भाग।

पॉल/पीटर ने गैर-यहूदी मिशन की पुष्टि की। 13 से 20, गैर-यहूदियों से पहले। 24 से 26, राजाओं से पहले।

22 अल्पविराम 28, इस्राएल के पुत्रों से पहले। एक बार फिर, 13 से 28, पृथ्वी का अंतिम भाग। पॉल/पीटर ने गैर-यहूदी मिशन की पुष्टि की।

13 से 20, पौलुस अन्यजातियों के सामने। 24 से 26, राजाओं के सामने। 22 और 28, पौलुस इस्राएल के पुत्रों के सामने।

प्रेरितों के काम की कथा में संरचनात्मक संकेतों का एक और समूह सारांश कथन है। बड़े खंडों में, लूका की विधि हमें चर्च के जीवन और गवाही के विकास के स्नैपशॉट या विगनेट्स देना है। आत्मा के कार्य के नमूने फिर सारांश कथनों द्वारा एक दूसरे से जुड़ जाते हैं ।

ये कथन, हालांकि शायद क्रिया-वर्णन की नाटकीय अपील की कमी रखते हैं, प्रेरितों के काम के उद्देश्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे हमें प्रत्येक घटना के चल रहे परिणाम दिखाते हैं, और वे अगली घटना के लिए दृश्य तैयार करते हैं जिसे लूका फिर से बताना चाहता है। जब वे ये कार्य करते हैं, तो सारांश चुपचाप लेकिन लगातार चर्च में आत्मा की उपस्थिति और गतिविधि की हमारी धारणा के लिए स्वर निर्धारित करते हैं।

प्रभु का वचन शक्तिशाली रूप से बढ़ा। अधिनियमों की शुरुआत में, कई विस्तारित सारांश पेंटेकोस्ट, मंदिर में आम आदमी की चिकित्सा, और चर्च में आत्मा की शक्ति की निरंतर अभिव्यक्ति के संदर्भ में अनन्या और सफीरा पर फैसले को दर्शाते हैं। साहसिक और प्रभावी प्रचार.

पारस्परिक करुणा व्यावहारिक सहायता में व्यक्त होती है। आनंद एक स्वस्थ भय के साथ मिश्रित हो गया। फिर, सात सर्वरों की नियुक्ति के बाद, ल्यूक एक विषय का परिचय देता है जिस पर वह अपनी बाकी कथा में विविधताएं प्रस्तुत करेगा।

अधिनियम 6-7. अधिनियम 6-7. परमेश्वर का वचन बढ़ रहा था।

यरूशलेम में शिष्यों की संख्या बहुत बढ़ रही थी, और याजकों की एक बड़ी भीड़ विश्वास का पालन कर रही थी। अधिनियम 6-7. जैसे-जैसे ल्यूक की कहानी यहूदिया और सामरिया को गले लगाने के लिए विस्तारित होती है, "भगवान का वचन बढ़ रहा था और गुणा किया जा रहा था।"

अधिनियम 12-24. परमेश्वर का वचन बढ़ रहा था और बहुगुणित हो रहा था। फारस में, "प्रभु का वचन पूरे क्षेत्र में फैल रहा था।"

13-49. पिसिदिया में, मुझे लगता है कि मैंने कुछ और कहा है। पिसिदिया में, प्रभु का वचन पूरे क्षेत्र में फैल रहा था।

अधिनियम 13:49. इसी तरह, इफिसुस में, “प्रभु का वचन प्रबल और प्रबल होता जा रहा था।” 19:20 से तुलना करें.

इफिसुस में, प्रभु का वचन शक्तिशाली रूप से बढ़ रहा था और ताकत बढ़ा रहा था। ल्यूक ने उन लोगों का हवाला देते हुए, जो पहले से ही प्रत्यक्षदर्शी और शब्द के सेवक थे, अपनी दो-खंड की कथा प्रस्तुत की। ल्यूक 1-2.

एनआईवी. शुरू से ही उन्होंने यीशु के बारे में शक्तिशाली शब्द को महत्व देने का संकेत दिया। अब, अधिनियमों में, शब्द के गतिशील विकास का उनका बार-बार संदर्भ इस विषय को रेखांकित करता है कि पवित्र आत्मा की शक्ति यीशु मसीह में मुक्ति की सुखद घोषणा पर केंद्रित है।

तो, साइनपोस्ट. अधिनियम 1:8 और 9:15, यदि आप चाहें तो भौगोलिक दिशा-निर्देश देते हुए रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं। सारांश कथन वास्तव में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर पहले अध्यायों में।

बार-बार खाते. ल्यूक की संरचना की तीसरी विशेषता पुराने नियम के ग्रंथों में इज़राइल की कहानी बताने वालों से उधार लिया गया उपकरण है। हालाँकि आधुनिक पाठकों के पास इस बात के लिए थोड़ा धैर्य है कि जो हमें अनावश्यक दोहराव लगता है, बाइबिल के कथाकार कहानी को थोड़े बदलाव के साथ दोहराकर किसी घटना के महत्व को रेखांकित करना पसंद करते हैं, जैसे एक सिम्फनी में एक संगीत रूपांकन की पुनरावृत्ति और विकास।

उदाहरण के लिए, यदि हम उत्पत्ति 24 1-27 की तुलना उत्पत्ति 24 34-49 से करें, जैसा कि हमें करना चाहिए, क्योंकि वे एक ही कहानी से संबंधित हैं, तो हम पाते हैं कि कथाकार हमें अब्राहम के सेवकों द्वारा इसहाक की दुल्हन की सफल खोज के माध्यम से कदम-दर-कदम आगे बढ़ाता है, एक बार नहीं, बल्कि दो बार। व्यर्थ शब्द क्यों? क्योंकि इसहाक प्रतिज्ञा का पुत्र है, जिसके वंशजों के माध्यम से परमेश्वर अब्राहम से अपना वादा पूरा करेगा, और इसलिए इसहाक का विवाह ईश्वरीय वादों की पूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है। हमें आश्चर्यचकित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है, हाँ, और वाचा के वारिस को अपनी पसंद की दुल्हन देने में परमेश्वर के आश्चर्यजनक मार्गदर्शन और प्रावधान पर फिर से आश्चर्यचकित होना चाहिए।

इसी तरह, लूका ने तीन महत्वपूर्ण घटनाओं के महत्व को रेखांकित करने के लिए दोहराव का उपयोग किया है। आइए हम उन सभी को एक साथ सामने लाएँ। उनमें से एक है पिन्तेकुस्त के दिन आत्मा का उंडेला जाना।

दो, कुरनेलियुस और उसके साथियों का परिवर्तन। और तीन, टार्सस के शाऊल का परिवर्तन। एक, पिन्तेकुस्त पर आत्मा के आगमन का वर्णन अध्याय दो में किया गया है।

लेकिन पीटर ने कुरनेलियुस के संबंध में यरूशलेम चर्च को अपनी रिपोर्ट में इसे याद किया, साथ ही पेंटेकोस्ट से पहले ल्यूक द्वारा उद्धृत यीशु के शब्दों की एक विशिष्ट याद दिलायी। तब मुझे याद आया कि प्रभु ने क्या कहा था। यूहन्ना ने तो जल से बपतिस्मा दिया, परन्तु तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लोगे।

अधिनियम 11:16. यीशु प्रेरितों 1:5 में यही कहते हैं। पिता के उस वादे की प्रतीक्षा करो, जो उसने कहा था, तुमने मुझसे सुना है। क्योंकि यीशु कहते हैं, प्रेरितों के काम 1:5, यूहन्ना ने तो जल से बपतिस्मा दिया, परन्तु अब से थोड़े ही दिनों में तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे। यह तब पूरा हुआ जब यीशु और पिता ने चर्च पर पवित्र आत्मा उंडेला।

फिर से, यरूशलेम की परिषद में, पतरस पिन्तेकुस्त के दिन आत्मा के उपहार को याद करता है। प्रेरितों के काम 15:8। यह दूसरी पुनरावृत्ति है, हालाँकि यह एक सारांश कथन है। और इसलिए, तीन बार हमें पिन्तेकुस्त के दिन आत्मा का संदर्भ मिलता है।

प्रेरितों के काम 15:8. और परमेश्वर, पतरस जो हृदय को जानता है, ने उन्हें, अन्यजातियों को पवित्र आत्मा देकर, जैसा उसने हमें दिया, उनकी गवाही दी। इन संदर्भों के द्वारा, लूका, जैसा उसने हमें दिया, पिन्तेकुस्त को याद करता है। इन संदर्भों के माध्यम से, लूका हमें याद दिलाता है कि आत्मा का ग्रहण करना ईसाई अनुभव की कसौटी है।

पवित्र आत्मा नहीं, तो धर्म परिवर्तन नहीं। यह इतना सरल है। दूसरा, कुरनेलियुस के घर में अन्यजातियों के धर्म परिवर्तन का वर्णन न केवल लूका ने अध्याय 10 में वर्णनकर्ता के रूप में किया है, बल्कि पतरस ने भी यरूशलेम में चर्च में लौटने पर इसका वर्णन किया है, जिसमें पतरस के प्रारंभिक दर्शन का विवरण भी शामिल है।

फिर से, 11:4-17. पतरस ने फिर से कुरनेलियुस के घर में आए उस महत्वपूर्ण मोड़ का ज़िक्र किया जब वह यरूशलेम में प्रेरितों और प्राचीनों की परिषद में बोल रहा था। हे भाइयों, तुम जानते हो कि कुछ समय पहले परमेश्वर ने तुम्हारे बीच से एक को चुना था कि अन्यजाति मेरे होठों से सुसमाचार का संदेश सुनें और विश्वास करें। प्रेरितों के काम 15:7 एनआईवी।

इसलिए, हमारे पास अध्याय 10 में कुरनेलियुस के परिवार और मित्रों के उद्धार की घटना है। पतरस ने इसे यरूशलेम में चर्च के समक्ष दोहराया, अध्याय 11:4-17। और फिर, एक बार फिर, यरूशलेम परिषद में 15:7 में एक सारांश कथन। जॉनसन पूछते हैं कि इस मुद्दे पर इतना अधिक क्यों जोर दिया जाए, क्योंकि पतरस की उपस्थिति में अन्यजातियों पर आत्मा का उंडेला जाना,

परमेश्वर का स्वागत का उपहार उन्हें गवाह बनाता है जो यह प्रमाणित कर सकते हैं कि परमेश्वर के उद्धार ने इस्राएल की पंथिक और सांस्कृतिक विशिष्टता की सीमाओं को तोड़ दिया है।

पुनर्जीवित प्रभु पृथ्वी के अंतिम छोर को मोक्ष के लिए अपनी ओर आने के लिए बुलाते हैं। और जैसे ही वे आते हैं, वह उनके रास्ते से उन दीवारों के खंडहरों को हटा देता है जिन्होंने गैरकानूनी एलियंस को इज़राइल के वाचा विशेषाधिकार से बाहर रखा है। खतना, अभयारण्य, कैलेंडर, आहार, सभी को दरकिनार कर दिया गया है।

जैसे परमेश्वर की महिमा बाहरी लोगों पर बहुतायत से प्रकट होती है। तीन, अंततः हमने तारसस के शाऊल के रूपांतरण को तीन बार पढ़ा। सबसे पहले कथावाचक से, अध्याय 9:1-30। फिर पॉल के अपने भाषणों में दो बार, 22:1-16, 26:2-18। वास्तविक घटना का वर्णन वर्णनकर्ता द्वारा किया गया है, 9:1-30। पॉल, अपने भाषणों में, इसे दोहराता है, 22:1-16, 26:2-18। यद्यपि विवरण में दिलचस्प अंतर हमें उलझन में डालते हैं, दमिश्क की सड़क पर अद्भुत क्रिस्टोफनी का विवरण सभी तीन खातों में मूलतः समान है।

हमें यह अजीब लग सकता है कि ल्यूक ने अध्याय 22 और 26 में एक संक्षिप्त सारांश डालकर पपीरस का अर्थशास्त्र नहीं किया। जैसे, उद्धरण, फिर पॉल ने अपने रूपांतरण के बारे में बताया , करीबी उद्धरण। लेकिन ल्यूक की असाधारण पुनरावृत्ति बेहतर तरीका है।

वह हमें अन्यजातियों के लिए प्रेरित के आह्वान के विश्व-परिवर्तनकारी महत्व को भूलने नहीं देगा। वह हमें उस कॉल को बार-बार सुनने के लिए कहेगा। और प्रत्येक पुनरावृत्ति के साथ, वह विवरण जोड़ता है जो अनुग्रह की इस विजय की चमक को बढ़ाता है।

उत्पीड़क प्रचारक बन गया. आत्म-धार्मिकता का प्रतिमान दूसरे की धार्मिकता पर पश्चाताप की निर्भरता में बदल गया। इज़राइल की पवित्रता के लिए एक अलग उत्साही व्यक्ति को ईश्वर की शुद्ध करने वाली दया के प्रमुख प्रदर्शन के रूप में प्रदूषित बुतपरस्तों के साथ घुलने-मिलने के लिए भेजा गया।

1 तीमुथियुस 1 :12-16 देखें, जहाँ पॉल कहता है कि यीशु ने उसे सबसे महान, एक परिवर्तित व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया है जो सबसे बड़े पापियों में से है, यीशु के धैर्य, दया और अनुग्रह के उदाहरण के रूप में। 1 तीमुथियुस 1:12-16 चौथा संरचनात्मक साइनपोस्ट अधिनियमों की पुस्तक में उपदेश की प्रमुखता है। ल्यूक अपने लगातार अनुस्मारक को दर्शाता है कि ईसाई उपदेश के एक बड़े नमूने को संरक्षित करके यह शब्द बढ़ रहा था।

अधिनियमों के कम से कम 30% पाठ में या तो पूर्ण रूप में या सारांश में प्रेरितिक उपदेश शामिल हैं। अधिनियमों में दर्ज कई चमत्कार उपदेश के बहाने हैं। ऐसे उपदेश प्रस्तुत करें जो चमत्कार के वास्तविक महत्व की व्याख्या करें।

वास्तव में उपदेश को शक्ति के संबंधित संकेतों की तुलना में अधिक विस्तृत उपचार मिलता है। उदाहरण के लिए, हालाँकि पिन्तेकुस्त पर आत्मा के आने से जुड़ी घटनाएँ 13 आयतों में दर्ज की

गई हैं, लेकिन घटनाओं को समझाने वाला पतरस का उपदेश 23 आयतों में है। अध्याय 2 इसी तरह, मंदिर में एक लंगड़े आदमी के ठीक होने का वर्णन 10 आयतों में किया गया है।

इसके बाद पतरस के दो भाषण हैं, जिनमें कुल 22 श्लोक हैं, जो इसके निहितार्थों को स्पष्ट करते हैं। अध्याय 3 और 4 में लूका ने भाषणों को रणनीतिक रूप से चुना है, जिसमें यरूशलेम से यहूदिया और सामरिया होते हुए पृथ्वी के छोर तक सुसमाचार के विस्तार में विभिन्न श्रोताओं को संबोधित करने के नमूने शामिल हैं। यरूशलेम में, पिन्तेकुस्त के दिन पतरस का भाषण आत्मा के आने और यीशु के महिमामंडन के बीच संबंध को दर्शाता है।

अध्याय 2 सुलैमान की वाचा में पतरस का भाषण, अध्याय 3, और महासभा के समक्ष उसका अनुवर्ती, 4:8-12, अंतिम दिनों का आशीर्वाद लाने के लिए यीशु के नाम की शक्ति पर ध्यान केंद्रित करता है। स्तिफनुस का भाषण ईश्वर द्वारा भेजे गए मुक्तिदाताओं के विरुद्ध इस्राएल के विद्रोह का एक भविष्यसूचक अभियोग है। अध्याय 7 यरूशलेम से परे सुसमाचार के प्रसार की ओर ले जाना यहूदिया और सामरिया में सुसमाचार के विस्तार का अगला चरण संक्रमणकालीन है ।

हमारे पास सामरियों और एक इथियोपियाई को फिलिप्पुस के उपदेश का संक्षिप्त सारांश है, 8:12 और 8:32-35। लेकिन प्रमुख भाषण पीटर की उद्घोषणा के माध्यम से कुरनेलियुस और उसके दोस्तों के रूपांतरण पर केंद्रित हैं। जैसे-जैसे यह शब्द पृथ्वी के छोर तक जाता है, हम फैलाव के एक आराधनालय में इसका प्रचार करते हुए सुनते हैं।

अध्याय 13 अंधविश्वासी बुतपरस्तों के बीच अध्याय 17 चर्च के बुजुर्गों के लिए विचार-विमर्श में 15:13-21 और विदाई में अध्याय 20 में पॉल का प्रसिद्ध भाषण और कानूनी बचाव की परिस्थितियों में प्रेरितों के काम के अंत में अध्याय 22 और 26, ल्यूक हमें, एक तरह से, पॉल के उपदेशों को हमारे कानों में गूंजते हुए छोड़ देता है। उद्धरण, वह समझा रहा था, परमेश्वर के राज्य के बारे में गंभीरता से गवाही दे रहा था और सुबह से शाम तक मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की व्यवस्था से यीशु के बारे में उन्हें समझा रहा था। उद्धरण बंद करें, प्रेरितों के काम 28:23 उद्धरण, वह परमेश्वर के राज्य का प्रचार कर रहा था और प्रभु यीशु मसीह के बारे में पूरी निर्भीकता और बिना किसी बाधा के सिखा रहा था।

प्रेरितों के काम 28:31 अगर हमें प्रेरितों के काम और आज चर्च के लिए इसके संदेश को समझना है, तो हमें निश्चित रूप से प्रेरितों के काम के उपदेशों पर ध्यान देना चाहिए, जो उन प्रेरक घटनाओं पर दिव्य रूप से दी गई प्रेरितिक टिप्पणियाँ हैं जो चर्च के आत्मा की शक्ति के युग में प्रवेश को चिह्नित करती हैं। एक पैराग्राफ का निष्कर्ष डेनिस जॉनसन के अच्छे परिचय को समाप्त करता है। प्रेरितों के काम का हमारा अध्ययन समृद्ध होगा क्योंकि हम उन पुलों पर ध्यान देते हैं जो प्रेरितों के माध्यम से परमेश्वर के शक्तिशाली कार्य को उसके उद्धारक कार्य और प्रकट करने वाले वचन के अन्य आयामों से जोड़ते हैं।

पुराने नियम के वचनों और प्रत्याशित उद्धार के कार्यों के लिए पुल। लूका के सुसमाचार में वर्णित यीशु की सेवकाई के लिए पुल। पौलुस और अन्य प्रेरितों के पत्रों के लिए पुल, जिनके माध्यम से आत्मा ने अपने कार्यों को धार्मिक संदर्भ और स्पष्ट फोकस में स्थापित किया।

प्रेरितों के काम की कथा के भीतर ही पुल, जो यीशु मसीह में उद्धार के संदेश के रूप में मोड़ और निरंतरता के अंतर्संबंधित धागों को संकेत देते हैं, खाई को पाटते हैं और यहूदियों और अन्यजातियों दोनों को समान रूप से परमेश्वर की कृपा प्रदान करने के लिए बाधाओं को तोड़ते हैं। हमारे अगले व्याख्यान में, मैं प्रेरितों के काम में परमेश्वर के लोगों, यानी प्रेरितों के काम में कलीसिया के बारे में अपना स्वयं का अध्ययन साझा करूँगा।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन और ल्यूक-प्रेरितों के काम के धर्मशास्त्र पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 13 है, डेनिस जॉनसन, प्रेरितों के काम को पढ़ने के लिए दिशानिर्देश, संरचनात्मक संकेत।